अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार

# पंजाब सरकार और द/नज इंस्टीतट्यूट ने द/नज आईएएफ की घोषणा की

## 18-महीने की फेलोशिप में शामिल होने के लिए सी-सूट के अधिकारियों को किया आमंत्रित

- निजी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी राज्यव्यापी, रणनीतिक कार्यक्रमों पर प्रधान सचिवों और सचिवों के साथ काम करेंगे
- आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2022 है

NITI लीडरशिप बूटकैंप अंतर्गत श्री अमिताभ कांत द्वारा संबोधित किया जा रहा कर्नाटक का आईएएफ समूह

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने द/नज इंस्टीरट्यूट की साझेदारी में शुरू किए गए द/नज आईएएफ प्रोग्राम के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस प्रोग्राम के तहत रणनीतिक कौशल, उद्यमशीलता और तकनीकी नेतृत्व वाले निजी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी सभी के लिए लचीला आजीविका बनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए महत्वरपूर्ण राज्यव्यापी पहल पर पंजाब सरकार के विभागों के प्रमुखों के साथ काम करेंगे। 18 महीने की अवधि वाले इस फेलोशिप को राज्यल मंत्रिमंडल द्वारा नागरिक-केंद्रित और भविष्यं के लिए गवर्नेंस ईकोसिस्टलम निर्माण की दिशा में अधिक पेशेवर विशेषज्ञता लाने के साधन के रूप में अनुमोदित किया गया है, जो दिसंबर 2022 में शुरू होगा। पंजाब सरकार और द/नज इंस्टीटट्यूट निजी क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव और आईटी, वित्त, शिक्षा, पर्यावरण या उद्यमिता में व्या पक स्तऔर पर परिवर्तन का प्रदर्शन करने वाले आवेदकों को आमंत्रित कर रहा है। कठिन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए फैलो आजीविका के अवसरों को बढ़ाने वाले विभिन्न विभागों के प्रधान सचिवों और सचिवों के साथ काम करेंगे। आईएएफ कार्यक्रम में निहित सार्वजनिक-निजी क्षेत्र की भागीदारी के मूल्य पर जोर देते हुए, श्री नंदन नीलेकणि, जिन्होंने शुरूआती दिनों से ही द/नज आईएएफ का समर्थन किया है. ने कहा. ह्लहम अपनी बुनियाद को ठीक करने और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश पर ध्यान केंद्रित किए बिना अपनी विविध और जटिल समस्याओं से नहीं निपट सकते। डिजिटल युग में, बुनियादी ढांचे का मतलब केवल सड़कें, पुल और राजमार्ग नहीं हैं, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म भी हैं, जो बड़े पैमाने पर नवीनीकरण के लिए स्थितियां बनाते हैं। पंजाब सरकार के साथ साझेदारी के बारे में द/नज सेंटर फॉर सोशल इनोवेशन की सीईओ सुधा श्रीनिवासन ने कहा, ह्यह्यद/नज आईएएफ को दूरदर्शी सरकारी अधिकारियों को राज्य के कार्यक्रमों के वितरण में रणनीतिक बदलाव लाने के लिए निजी क्षेत्र से विशेषज्ञता और नेतृत्व आकर्षित करने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। जैसा कि हमने देखा कि कर्नाटक में उद्घाटन समूह में फेलोशिप ने भारतीय उद्योग जगत में उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों को आकर्षित किया, जो राज्य सरकार के तंत्र के भीतर गति ला सकते हैं और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने कौशल और क्षमता को लागू कर सकते हैं। पंजाब राज्य में अपार संभावनाएं हैं और मुझे उम्मीद है कि सामाजिक रूप से जागरूक व्यवसाय और प्रौद्योगिकी लीडर्स राज्य में दूरदर्शी सरकारी अधिकारियों के साथ काम करते हुए इस क्षमता को पता लगाने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएंगे।

चुने गए फेलो को चंडीगढ़ में रहना होगा या संबद्ध विभागीय मुख्यालयों के साथ जुड़कर अपनी भूमिका में पूर्णकालिक प्रतिबद्धता दिखानी होगी। उन्हें नीति आयोग और राज्य एटीआई सहित भारत की शीर्ष नीति एवं शैक्षणिक संस्थानों में प्रशिक्षित किया जाएगा और उन्हेंत समर्पित पर्सनल स्ट्फ का सहयोग भी मिलेगा। फेलोशिप को पहली बार कर्नाटक में जुलाई 2021 में शुरू किया गया था, जिसमें 10 फैलो को राज्य के दस विभागों, जैसे कृषि, बागवानी, राज्य प्रशासनिक सुधार, पंचायती राज आदि में तैनात किया गया था, जो दिसंबर 2022 में प्रोग्राम से स्नातक होंगे।